Swacchata Pakhwada Activities during 16 – 31st December, 2022 at ICAR-National Research Centre for Grapes, Pune

Swacchata Pakhwada: Daily Report **Dated: 28/12/2022**

Period	Activities	No of officers/officials participated	No of persons participated (Public)
ICAR-NRCG, Pune	Campaign on cleaning of sewerage and water lines, awareness on recycling of waste water, water harvesting for agriculture/ horticulture application / kitchen gardens in residential colonies/ outside campuses/ nearby villages with the involvement of local/ village communities	43	Nil

Activity

A cleaning of sewerage and water lines was conducted on 28th December, 2022 at residential colony of ICAR-NRCG and main campus area. A total of 43 NRCG officers/officials participated. They clean the waste water channels and collected non-biodegradable (plastics, polybags, pipe pieces etc.) and biodegradable wastes (vegetable waste, waste households etc.). These disposables are collected at one place for proper disposal. Mr. Hemant Saste has given the demonstration on recycling of waste water and its use for kitchen garden. After that Dr. N. A. Deshmukh discussed with participants about awareness on recycling of waste water, water harvesting for agriculture and horticulture.

आईसीएआर-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे में १६ से ३१ दिसंबर, २०२२ के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियां

स्वच्छता पखवाड़ा : दैनिक रिपोर्ट दिनांक: २८/१२/२०२२

अवधि	गतिविधियां	अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या ने भाग लिया	व्यक्तियों की संख्या भाग लिया (सार्वजनिक)
आईसीएआर-एनआरसीजी, पुणे	स्थानीय/ग्रामीण समुदायों की भागीदारी के साथ सीवरेज और पानी की लाइनों की सफाई, जल के पुनर्चक्रण पर जागरूकता, कृषि/बागवानी के लिए जल संचयन/आवासीय कॉलोनियों/ बाहरी परिसरों/ आस-पास के गांवों में किचन गार्डन के लिए स्थानीय/ग्रामीण समुदायों की भागीदारी के साथ अभियान	४३	शून्य

गतिविधि

आईसीएआर-एनआरसीजी की आवासीय कॉलनी और मुख्य क्षेत्र में २८ दिसंबर, २०२२ को मल और पानी की लाइनों की सफाई की गई। कार्यक्रम में कुल ४३ एनआरसीजी अधिकारियों/ कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होने दूषित जल चैनलों को साफ किया और नॉन -बायोडिग्रेडेबल कचरा (प्लास्टिक, पॉलीबैग, पाइप के टुकड़े आदि) और बायोडिग्रेडेबल कचरे (सब्जी अपशिष्ट, अपशिष्ट घरेलू आदि) एकत्र किया। इन डिस्पोजल को उचित निपटान के लिए एक स्थान पर एकत्र किया गया। श्री हेमंत सस्ते ने दूषित जल के पुनर्चक्रण और किचन गार्डन के लिए इसके उपयोग पर जानकारी दिया। उसके बाद डॉ. एन. ए. देशमुख ने प्रतिभागियों के साथ दूषित जल के पुनर्चक्रण, कृषि और बागवानी के लिए जल संचयन पर जागरूकता के बारे में चर्चा की।

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
स्वच्छता पखवाड़ा

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
स्वच्छता पखवाड़ा
16 से 31 दिसंबर, 2022